

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 531

B

Unique Paper Code : 62321201

Name of the Paper : Indian Government and  
Politics

Name of the Course : B.A. (Prog) Political Science

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. (प्रोग्राम) राजनीति विज्ञान

Semester / Annual : II

सेमेस्टर / वार्षिक

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

### Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

### छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Critically analyse the Marxist approach to the study of neo-liberal democratic state in India.

भारत में नव-उदारवादी लोकतांत्रिक राज्य के अध्ययन के लिए मार्क्सवादी उपागम का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए ।

2. Do you agree that the Indian Parliament and its committees have been successful in accommodating changing aspirations of marginalized social classes in past three decades'? Give reasons in support of your answer.

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि पिछले तीन दशकों में भारतीय संसद और उसकी समितियां हाशिए के सामाजिक वर्गों की बदलती आकांक्षाओं को समायोजित करने में सफल रही हैं ? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए ।

3. How judicial decisions of the Supreme Court with respect to the contestations between fundamental rights and directive principles of state policy have resulted into expansion of rights? Elaborate.

मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के बीच विवाद के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक निर्णयों के परिणामस्वरूप अधिकारों का विस्तार कैसे हुआ है ? विस्तार से चर्चा कीजिए ।

4. Strategies of development in India have changed since the beginning of the New Economic Policy in 1991. Do you find a reasonable balance between the policies of growth and the policies of welfare? Give reasons in support of your answer.

1991 में नई आर्थिक नीति की शुरुआत के बाद से भारत में विकास की रणनीतियाँ बदल गई हैं । क्या आप विकास की नीतियों और कल्याण की नीतियों के बीच एक उचित संतुलन पाते हैं ? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए ।

5. Discuss in brief the major issues raised by peasant movements in India over last two decades. How far have they succeeded in realization of their demands? Examine.

पिछले दो दशकों में भारत में किसान आंदोलनों द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए । वे अपनी मांगों को पूरा करने में कहाँ तक सफल हुए हैं ? परीक्षण कीजिए ।



6. Critically evaluate the debates around secularism in India.

भारत में पंथनिरपेक्षता से जुड़े बहसों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

7. Do you agree that the democracy in India is more driven by identity politics than the politics of development? Explain it in the context of growing politics of caste and religion for over past four decades.

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि भारत में लोकतंत्र विकास की राजनीति की तुलना में पहचान की राजनीति से अधिक संचालित है? पिछले चार दशकों से जाति और धर्म की बढ़ती राजनीति के संदर्भ में इनकी व्याख्या कीजिए।

8. Write short notes on **Any Two** of the following :  
निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Women movements

महिला आंदोलन

(b) Patriarchy

पितृसत्ता

(c) Politics of religion

धर्म की राजनीति

(d) Planned economy

नियोजित अर्थव्यवस्था